

मुख्यमंत्री को ज्ञापन: नकली खाद-बीज बनाने वालों को गिरफ्तार करें



किसान संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा विभिन्न मांगों का ज्ञापन

किसानों के हित की आवाज बुलंद हो रही है। प्रदेश में विधानसभा का विशेष सत्र शुरू होने जा रहा है। ऐसे में अब राजस्थान किसान संघर्ष समिति सीकर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन भेजकर अजीतगढ़ में नकली खाद, बीज एवं कीटनाशक दवा बनाकर किसानों को ब्रांडेड व असली के दामों में बेचकर धोखाधड़ी एवं अपराध करने वालों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

जानकारी के मुताबिक पांच जुलाई को अजीतगढ़ के नीमकाथाना रोड पर एक मकान में कुछ लोगों द्वारा नकली खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां बनाने का अवैध कारोबार संचालित कर रखा था। मुखबिर की सूचना पर थाना पुलिस ने श्रीमाधोपुर कृषि सहायक निदेशक डॉ. आरडी यादव, कृषि अधिकारी (पौध संरक्षण) दुर्गाप्रसाद नीमड़, कृषि अधिकारी (फसल) संगीता मीणा, कृषि अन्वेषक हेमंत कुमार पारीक की टीम को मौके पर बुलाकर कार्रवाई करवाई।

इस दौरान मौके पर विभिन्न ब्रांडेड कम्पनियों के फर्जी रेपर एवं पैकिंग का माल पाया गया था। जांच करने के दौरान इस अवैध कारोबार का नली नकली माल जयपुर, सीकर समेत प्रदेश के 10 जिलों में आपूर्ति करने का खुलासा हुआ था। क्षेत्र के विभिन्न किसान संगठनों ने राजस्थान किसान संघर्ष समिति सीकर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं पुलिस के आला अधिकारियों से इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि खेतों में अच्छी पैदावार के लिए किसान कर्ज लेकर अच्छे ब्रांडेड खाद, बीज एवं दवा खरीदते हैं, लेकिन इस प्रकार के अवैध कारोबार करने वाले किसानों से धोखा कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। दूसरी ओर फसल की पैदावार कम होने एवं बीज के नहीं उगने की स्थिति में किसान आर्थिक तनाव में आकर आत्महत्या तक का कदम उठा लेते हैं। अगर नकली खाद, बीज, दवा के कारोबारियों को नहीं पकड़ा गया तो मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा। किसान संगठनों ने कहा कि देशभर में किसान विरोधी गतिविधियों के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ा जाएगा। किसानों के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाना चाहिए और कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि इस प्रकार के अवैध कारोबार करने वाले अन्य लोगों को भी सबक मिले और किसानों के साथ धोखाधड़ी करने से बाज आए।